an>

Title: Regarding erosion caused by river Ghagra in Ghosi Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री हरिनारायन राजभर (घोसी) : माननीय अध्यक्ष महोदया, जी, आपने लोक सभा क्षेत्र के अति महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मेरा लोक सभा क्षेत्र घोसी पूर्वांचल का एक बहुत ही पिछड़ा हुआ लोक सभा क्षेत्र है। इस क्षेत्र के अंतर्गत घाघरा नदी गुजरती है। यह नदी मेरे लोक सभा क्षेत्र के दो विकास खंड दोहरी घाट और मधुबन से होकर गुजरती है। बाढ़ और बारिश के समय में जब घाघरा नदी अपने ऊफान पर होती है तो यह आसपास के तटवर्ती इलाकों में कहर बरपा देती है। बाढ़ और बारिश के समय में आस-पास के लोगों के माथे पर बारिश के मौसम में भी पसीना आ जाता है। हर साल घाघरा नदी में बाढ़ आती है और हजारों एकड कृषि योग्य भूमि जलमग्न हो जाती है और लाखों रुपये के फसल तबाह हो जाते हैं। बाढ़ के समय में तटवर्ती इलाके जैसे धनौली रामपुर, नईबाजार, विउटीडांड, बहादुरपरु, सरयां, जमीरा, वैरडीह, बीवीपुर, कोरौली, बेलौली, पाउस, चनाबारी, महुआवारी, रसूलपुर, सुरजपुर, जैसे दर्जनों गांव जलमग्न हो जाते हैं और प्रशासन सिर्फ बचाव कार्य के नाम पर दिखावा करता है और करोड़ों रुपये का बंदरबांट किया जाता है। घाघरा के प्रचंड स्वरूप और कटान के कारण मेरे लोक सभा क्षेत्र के ऐतिहासिक धरोहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है। घाघरा के कटान के कारण दोहरीघाट कस्बे के ऐतिहासिक धरोहर जैसे मुक्तिधाम, दुर्गा मंदिर, शाही मस्जिद, हनुमान मंदिर, डीह बाबा मंदिर और लोक निर्माण विभाग का डाक बंगला सहित बहुत सारे ऐतिहासिक स्थल के अस्तित्व पर खतरा मंडराता रहता है।

अतः मेरी आपके माध्यम से मांग है कि मेरे लोक सभा क्षेत्र घोसी को घाघरा के कटान से जल्द से जल्द निजात दिलाया जाए और ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जाए।

माननीय अध्यक्ष :

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी को श्री हरिनारायन राजभर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।